विज्ञान प्रकाश में विज्ञान एवं तकनीकी विषयों में प्रकाशित किये जाने वाले शोध पत्रों की समीक्षा इस प्रकार की जाती है कि शोध पत्र की गुणवत्ता में सुधार भी हो तथा प्रकाशन निर्बाध एवं द्रुत गति से हो सके। विज्ञान प्रकाश ही एक मात्र ऐसा जर्नल है जिसमें विषय के साथ–साथ हिंदी भाषा एवं व्याकरण की दृष्टि से भी शोध पत्र की समीक्षा की जाती है। विषयक ज्ञान एवं शुद्ध भाषा का प्रवाह विज्ञान प्रकाश को उच्च कोटि में श्रेणीबद्ध करते है। विज्ञान प्रकाश के यू जी सी – केयर सूची से अनुमोदित होने के करण शोधार्थी का शोध कार्य मानक रूप से प्रमाणित भी होता है। विज्ञान प्रकाश द्वारा उच्च गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रों को हिंदी भाषा में प्रकाशित कर शोधकर्ताओं में हिंदी की समझ को बढाने में अत्यंत महत्त्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है । विज्ञान प्रकाश का सम्पादकीय मंडल साधुवाद का पात्र है।

– प्रो. अवनीश कुमार, बुंदेलखंड विश्वविध्यालय, झाँसी, dravanishkumar@gmail.com

मेरे विगत शोध पत्र के प्रकाशन के समय दिए गए मेरे फीडबैक पर जिस तरह से मुख्य सम्पादक महोदय द्वारा हिन्दी में शोध पत्रों के प्रकाशन को अंग्रेजी भाषा के शोध पत्रों के बराबर महत्व प्रदान करने हेतु AICTE से संवाद स्थापित कर इस दिशा में तत्काल प्रयास किया व AICTE ने इस संबंध में पत्र जारी किया इसके लिए विज्ञान प्रकाश संपादक मंडल तथा AICTE दोनों ही साधुवाद के पात्र हैं। तथापि मेरा सुझाव है कि विज्ञान प्रकाश के आगामी अंकों में AICTE के उक्त पत्र को पत्रिका में यथास्थान प्रकाशित कर तथा इसे 'विज्ञान प्रकाश' की वेबसाइट पर विशेष रूप से प्रदर्शित कर प्रचारित किया जाना पत्रिका के प्रचार, प्रसार एवं पहुंच क्षेत्र को बढ़ाने में और अधिक लाभप्रद होगा।

विज्ञान प्रकाश पत्रिका द्वारा वृहत् एवं त्वरित समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से शोध आलेखों की गुणवत्ता तथा न्यूनतम संभव समय में आलेखों का प्रकाशन सुनिश्चित किया जाना इसकी प्रमुख विशेषता लगी । इस कार्य के कुशल सम्पादन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रुप से अपना बहुमूल्य यगदान देने वाले संपादक मंडल के सदस्यों की भूमिका सराहनीय लगी।

– डॉ एस. एस. पटेल, शासकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय, कोबरा, छत्तीसगढ़, sslpatel@gmail.com

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित यू जी सी केयर सूची में नामांकित शोध पत्रिका विज्ञान प्रकाश में शोध पत्र के संभावित प्रकाशन के लिए प्रेषित किये जाने से लेकर शोध पत्र के प्रकाशन किये जाने तक की यात्रा अत्यंत रोचक रही। प्रस्तुत शोध पत्र की अत्यंत सुधि समीक्षकों से गहन समीक्षा करवाई गई। समीक्षा का स्तर कई नामचीन अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में शोध पत्रों की समीक्षा के समान ही रहा। न्यूनतम संभव समय में पूर्ण गुणवत्ता के साथ शोध आलेख का प्रकाशन हो सके इसके लिए समीक्षा समन्वयक की तत्परता एवं क्रियाशीलता सराहनीय है। प्रधान सम्पादक महोदय द्वारा समय – समय पर उत्साहवर्धन व शोध पत्र को परिमार्जित किये जाने हेतु दिए गए सुझावों हेतु उनका आभार व्यक्त करता हूँ । यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली ने भी अपने अधीनस्थ सभी महाविद्यालयों एवं समस्त तकनीकी संस्थानों में हिंदी भाषा में विज्ञान एवं तकनीकी विषयों में शोध पत्रों को विज्ञान प्रकाश शोध पत्रिका में प्रकाशित किये जाने हेतु निर्देशित किया है।

– पवन किशोर टांक, शोध विद्यार्थी (गणित), भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर, mathspawan.alpha@gmail.com